31 सामाजिक विज्ञान आखिर कितने वैज्ञानिक हैं?

मानस शर्मा

सामाजिक विज्ञान बहुत ही महत्वपूर्ण और अद्भुत अध्ययन क्षेत्र हैं। सामाजिक विज्ञानों में, जो विज्ञान का ही एक भाग हैं, मानव शास्त्र से लेकर समाजशास्त्र तक, विविध प्रकार के बहुत से विषय समाहित रहते हैं। सामाजिक विज्ञानों में ऐसे ढेर सारे प्रसंग शामिल रहते हैं जो समूहों में, या फिर अकेले व्यक्ति के रूप में मनुष्य के अनुभव/आचरण को समझने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

परिभाषा के मुताबिक, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान की वह शाखा है जो प्राकृतिक दुनिया के मानवीय पहलुओं का अध्ययन करती है (विज्ञान की अन्य दो शाखाएँ हैं प्राकृतिक विज्ञान और औपचारिक विज्ञान)। विधि, अर्थशास्त्र, और मनोविज्ञान सामाजिक विज्ञानों के कुछ प्रकार हैं। सामाजिक विज्ञान प्राचीन यूनानियों के समय से ही अध्ययन का एक क्षेत्र रहे हैं और तब से लेकर आज तक उनका विकास होता रहा है। समय के साथ सामाजिक विज्ञान विकसित हुए और उन्हें अपनाने वाले लोगों की संख्या भी बहुत बढ़ी है। कुछ कॉलेजों, जैसे कि येल विश्वविद्यालय, में अन्य विषयों की अपेक्षा सामाजिक विज्ञानों पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। अन्य विज्ञानों के समान एकदम श्वेत या श्याम होने के बजाय सामाजिक विज्ञान गुणात्मक जानकारियों पर अधिक आधारित होते हैं, इसलिए यद्यपि वे व्याख्या व विवेचना के हिसाब से ज्यादा लचीले होते हैं, तथापि उनकी प्रकृति उतनी ही वैज्ञानिक है जितनी बाकी विज्ञानों की। दुर्भाग्य से, सामाजिक विज्ञानों को प्राकृतिक या औपचारिक विज्ञान की तरह से व्यापक तौर पर विज्ञान के रूप में मान्यता नहीं मिली है, पर वे भी उतने ही विज्ञान हैं जितने प्राकृतिक और औपचारिक विज्ञान।

विधि सामाजिक विज्ञान का एक अच्छा उदाहरण है। जितना लोग सोचते होंगे, विधि उससे कहीं ज्यादा है। अधिवक्ताओं को तमाम संघीय कानूनों का ज्ञान रखना पड़ता है, अपने गृह राज्य के सभी कानूनों की जानकारी रखनी पड़ती है, उनके संवाद कौशल बहुत अच्छे होना जरूरी होता है, और उनमें कई तरीकों से समीक्षात्मक ढंग से सोच सकने की क्षमता होना चाहिए। विधि पढ़ने मात्र के लिए आवश्यक समीक्षात्मक सोच इस विषय के विज्ञान कहला सकने के लिए पर्याप्त है। वकीलों को बहुत सारी चीजों के बारे में ढ़ेर सारी समझ होना जरूरी होता है। यद्यपि वकीलों को भौतिकी या रसायन शास्त्र या इसी तरह की कोई और चीज का ज्ञान होना आवश्यक नहीं होता, फिर भी वैज्ञानिक रूप से वे उतने ही ज्ञानी होते हैं जैसे, समझो, आइज़ैक न्यूटन या मैडम क्यूरी। उनके अपने ढंग से।

सामाजिक विज्ञान का, विधि से बेहतर उदाहरण हो सकता है, अर्थशास्त्र। एक शब्द में कहें तो अर्थशास्त्र, यानि, पूँजी। अर्थशास्त्र इन बातों का अध्ययन है कि पैसा कैसे तब्दील होता है, उसके तब्दील होने की दर क्या होती है, तथा वह और किन संभावित ढंगों से तब्दील हो सकता है और तब उसकी दर क्या होगी। हालाँकि, अर्थशास्त्र का सीधे तौर पर विज्ञान से वास्ता नहीं होता, लेकिन फिर भी वह उतना ही वैज्ञानिक है जितना कि विज्ञान के विषय। लगभग 50-60% कॉलेजों में व्यवसाय या अर्थशास्त्र पढ़ने के लिए कैलकुलस (कलन) की जरूरत पड़ती है। विज्ञान के कुछ और विषयों जैसे भौतिकी या रसायनशास्त्र में भी कैलकुलस की आवश्यकता पड़ती है। चूँकि, अर्थशास्त्र और विज्ञान, दोनों में कैलकुलस की आवश्यकता होती है, अतः इस तरह से भी अर्थशास्त्र एक विज्ञान ही साबित होता है।

सम्भवतः सामाजिक विज्ञानों में से सबसे ज्यादा वैज्ञानिक प्रकृति मनोविज्ञान की है। मनोविज्ञान मानवीय व्यवहारों का अध्ययन होता है, कि व्यवहार किस तरह बदलते हैं, मानसिक रोग क्या होते हैं, और इसमें बुनियादी रूप से लोगों के व्यवहार के तरीकों से लेकर उनके भावनात्मक पहलू तक, सब कुछ शामिल रहता है। मनोविज्ञान को पढ़ने के लिए जिन बातों की आवश्यकता होती है, उन्हें मद्देनजर रखते हुए इस विषय को उतना ही श्रेय दिया जाना चाहिए जितना किसी विज्ञान के विषय को। मनोविज्ञान के अध्ययन हेतु जीवविज्ञान, रसायनशास्त्र , साँख्यिकी तथा उच्च श्रेणी की मनोविज्ञान कक्षा की पढ़ाई जरूरी होती है। जीवविज्ञान, रसायनशास्त्र, और (कभी–कभी) साँख्यिकी की जरूरत विज्ञान के कई क्षेत्रों जैसे कि इंजीनियरिंग में भी पड़ती है। मनोविज्ञान तथा विज्ञान के लिए जरूरी साझा आवश्यकतों के चलते यह साबित हो जाता है कि मनोविज्ञान भी हर तरह से बिलकुल उतना ही विज्ञान है जितना की विज्ञान के वास्तविक क्षेत्र।

सामाजिक विज्ञान जीवन के, और हमारी आसपास की दुनिया के बेहद महत्वपूर्ण और अद्भुत अंश हैं। यद्यपि उनकी प्रकृति उतनी वैज्ञानिक नहीं है, और सम्भवतः वे जरा ज्यादा अमूर्त हैं, फिर भी सामाजिक विज्ञानों को लोगों द्वारा और ज्यादा अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि लोगों को जानने के द्वारा ही तो आप अपनी आसपास की दुनिया को जान सकते हैं।

मानस शर्मा *का जन्म लोवैल, मैसाचुसेटस में 1994 में हुआ। वर्तमान में वे श्र्यूसबरी हाईस्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं और श्र्यूसबरी, मैसाचुसेटस में अपने माता–पिता तथा छोटे भाई के साथ रहते हैं। उनकी पसन्दीदा गतिविधियाँ हैं, मौसम के मेहरबान होने की स्थिति में दोस्तों के साथ बाहर जाकर खेलना, और अपने प्रिय हास्य कार्यक्रम ''जॉर्ज लोपेज़'' और ''द बिग बैंग थ्योरी'' देखना। उनसे इस mnsarma@hotmail.com ईमेल पते पर सम्पर्क किया जा सकता है ।*